वशि्व मौसम वज्ञिान दविस

प्रलिम्सि के लयि:

वशि्व मौसम वज्ञिान दविस, ग्रीनहाउस गैसें, पार्टयिों का सम्मेलन, बाढ़, सूखा, हीटवेव, जलवायु परविर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन, यूएनएफसीसीसी।

मेन्स के लयि:

आपदा से नपिटने में वशि्व मौसम वज्ञिान संगठन (WMO) की भूमकिा, बढ़ती आपदा से संबंधति मुद्दे तथा इनसे नपिटने के उपाय ।

चर्चा में क्यों?

पूरे वशि्व में प्रत्येक वर्ष 23 मार्च को **वशि्व मौसम वज्ञिान दविस** मनाया जाता है।

- इससे पहले अक्तूबर, 2021 में वशि्व मौसम वज्ञिान संगठन (WMO) ने स्टेट ऑफ क्लाइमेट सर्वसिज़ रपिोर्ट 2021 जारी की थी।

वशि्व मौसम वज्ञिान संगठन (WMO)

- **वशि्व मौसम वज्ञिान संगठन (WMO)** 192 देशों की सदस्यता वाला एक **अंतर-सरकारी संगठन** है।
  - भारत **वशि्व मौसम वज्ञिान संगठन** का सदस्य देश है।
- इसकी उत्पत्ति **अंतर्राष्ट्रीय मौसम वज्ञिान संगठन (IMO)** से हुई है, जसिे वर्ष 1873 के **वयिना अंतर्राष्ट्रीय मौसम वज्ञिान कांग्रेस** के बाद स्थापति कयिा गया था।
- 23 मार्च 1950 को WMO कन्वेंशन के अनुसमर्थन द्वारा स्थापति **WMO, मौसम वज्ञिान (मौसम और जलवायु), परचिालन जल वज्ञिान तथा इससे संबंधति भू-भौतकीय वज्ञिान** हेतु संयुक्त राष्ट्र की वशिेष एजेंसी बन गई है।
- WMO का मुख्यालय **जनिेवा, स्वट्ज़िरलैंड** में है।

वशि्व मौसम वज्ञिान दविस की मुख्य वशिेषताएँ

- **परचिय:**
  - यह दनि वशि्व मौसम वज्ञिान संगठन (WMO) की स्थापना के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, जसिे वर्ष 1950 में स्थापति कयिा गया था।
  - यह वर्ष 1961 से मनाया जा रहा है, यह दनि लोगों को पृथ्वी के वायुमंडल की रक्षा करने तथा उनकी भूमकिा के बारे में जागरूक करने के लयि भी मनाया जाता है।
- **वर्ष 2022 की थीम:**
  - **प्रारंभकि चेतावनी और प्रारंभकि कार्रवाई (**Early warning and early action) - यह आपदा ज़ोखमि में कमी के लयि जल-मौसम वज्ञिान तथा जलवायु से संबंधति जानकारी की आवश्यकता पर ज़ोर देती है।
- **आपदाओं की स्थति::**
  - **वशि्व:**
    - पछिले 50 वर्षों में औसतन प्रतदिनि **मौसम या जलवायु के खतरे से संबंधति आपदा** आई है जसिमे 115 लोगों की मृत्यु तथा प्रतदिनि 202 मलियिन अमेरकिी डॉलर का नुकसान हुआ है।
      - **WMO एटलस ऑफ मॉर्टेलटिी एंड इकोनॉमकि लॉस फ्रॉम वेदर, क्लाइमेट एंड वाटर एक्सट्रीम** (1970 - 2019) के अनुसार वशि्व स्तर पर इन खतरों के लयि ज़म्मिेदार 11,000 से अधकि आपदाएँ रपिोर्ट की गई थी।
    - जलवायु परविर्तन, अधकि चरम मौसम और बेहतर रपिोर्टगि तंत्र के कारण 50-वर्ष की अवधि में आपदाओं की संख्या में पाँच गुना वृद्धि हुई है।
    - प्रत्येक वर्ष अधकि-से-अधकि ग्रीनहाउस गैसों के वातावरण में शामलि होने के कारण चरम मौसम की घटनाओं की आवृत्ति और

तीव्रता में वृद्धि होना तय है, जिसके परिणामस्वरूप ग्लोबल वार्मिंग होती है।

- **भारत:**
  - अरब सागर के ऊपर गंभीर चक्रवातों की संख्या में प्रति दशक 1 की वृद्धि हुई है और भारत में वर्ष 1901 के बाद से अधिकतम तापमान में 0.99 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई है।
  - भारत में भी भारी वर्षा की घटनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

WMO दिवस पर आपदा से निपटने के लिये की गई पहलें:

- **पूर्व चेतावनी प्रणाली पर कार्य योजना:**
  - WMO नवंबर 2022 में मिस्र में **संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज** (UNFCCC) के कोप-27 में प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली पर एक कार्य योजना प्रस्तुत करेगा।
    - बाढ़, सूखा, हीटवेव या तूफान के लिये एक प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली, एक एकीकृत प्रणाली है जो लोगों को खतरनाक मौसम के प्रति सचेत करती है। यह भी सूचित करता है कि सिरकारें, समुदाय और व्यक्ति मौसम की घटना के संभावित प्रभावों को कम करने के लिये कैसे कार्य कर सकते हैं।
    - इसका उद्देश्य यह समझना है कि आने वाले तूफानों से प्रभावित क्षेत्र के लिये कौन से जोखिम हो सकते हैं जो कि शहर या ग्रामीण क्षेत्र, ध्रुवीय, तटीय या पहाड़ी क्षेत्रों में भिन्न हो सकते हैं।
- **आवश्यकता:**
  - दुनिया के एक-तिहाई लोग, मुख्य रूप से सबसे कम विकसित देशों (एलडीसी) और छोटे द्वीपीय विकासशील राज्यों (एसआईडीएस) में अभी भी प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली से आच्छादित नहीं हैं।
    - अफ्रीका में स्थिति और भी बुरी है: 60% लोगों के पास कवरेज की कमी है।

भारत में प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली की स्थिति:

- **परिचय:**
  - भारत में प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली जैसे कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) द्वारा नियमित चक्रवात अलर्ट, राज्य और ज़िला प्रशासन द्वारा की गई तेज़ कार्रवाई ने पिछले कुछ वर्षों में सैकड़ों या हज़ारों लोगों की जान बचाई है।
  - लेकिन इस संबंध में अभी और भी बहुत कुछ किये जाने की आवश्यकता है, खासकर ज़िला और ग्रामीण स्तर पर मौसम की भविष्यवाणी एवं पूर्व चेतावनी के क्षेत्र।
- **पूर्व चेतावनी संबंधी पहल:**
  - जून 2020 में, केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने आपदा प्रबंधन विभाग, ग्रेटर मुंबई नगर निगम के सहयोग से, मुंबई के लिये एकीकृत बाढ़ चेतावनी प्रणाली शुरू की, जिसे '**iFLOWS-MUMBAI**' कहा जाता है।
  - उत्तराखंड ने राज्य में भूकंप की पूर्व चेतावनी देने हेतु **'उत्तराखंड भूकंप चेतावनी' एप** लॉन्च किया है।
  - **भारतीय सुनामी पूर्व चेतावनी प्रणाली (ITEWS)** की स्थापना वर्ष 2007 में हुई थी और यह 'इंडियन नेशनल सेंटर फॉर ओशन इन्फॉर्मेशन सर्विसेज़' (INCOIS) हैदराबाद में स्थित है।
  - **वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद**-राष्ट्रीय भू-भौतिकीय अनुसंधान संस्थान (CSIR-NGRI) ने **हिमालयी क्षेत्र** के लिये 'भूस्खलन और बाढ़ पूर्व चेतावनी प्रणाली' विकसित करने हेतु एक 'पर्यावरण भूकंप विज्ञान' समूह स्थापित किया है।
  - **'महासागर सेवा, मॉडलिंग, अनुप्रयोग, संसाधन और प्रौद्योगिकी (ओ-स्मार्ट)' योजना** एक सरकारी योजना है जिसका उद्देश्य महासागर अनुसंधान को बढ़ावा देना और पूर्व चेतावनी मौसम प्रणाली स्थापित करना है।

आगे की राह

- राष्ट्रीय मौसम विज्ञान एवं जल विज्ञान सेवाओं, आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों और विकास एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय बेहतर रोकथाम, तैयारी और प्रतिक्रिया के लिये काफी महत्त्वपूर्ण हैं।
- अल्प-विकसित देशों में सेवाओं एवं संबंधित बुनियादी ढाँचे की गुणवत्ता में सुधार के लिये आने वाले पाँच वर्षों के दौरान निवेश बढ़ाने की आवश्यकता है।

विगत वर्षों के प्रश्न

'मोमेंटम फॉर चेंज: क्लाइमेट न्यूट्रल नाउ" किसके द्वारा शुरू की गई एक पहल है? (2018)

(a) जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल
(b) यूएनईपी सचिवालय
(c) यूएनएफसीसीसी सचिवालय
(d) विश्व मौसम विज्ञान संगठन

उत्तर: c

निम्नलिखित में से कौन संयुक्त राष्ट्र से संबंधित नहीं है? (2010)

(a) बहुपक्षीय निवेश गारंटी एजेंसी
(b) अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम
(c) निवेश विवादों के निपटान हेतु अंतर्राष्ट्रीय केंद्र
(d) बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स

उत्तर: (d)

स्रोत: डाउन टू अर्थ

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-meteorological-day